प्रारंभिक (कक्षा–8) शिक्षा पूर्णता प्रमाण–पत्र परीक्षा 2019

विषय – हिन्दी

समय – 02.30 घंटे **पूर्णांक – 100**

(आदर्श उत्तर)

उत्तर 1 – (अ) दिए गए विकल्पों में से एक सही विकल्प चुनकर लिखिए– (अंक–10)

1. (b) बीस
2. (c) अखाड़ा
3. (a) जल संग्रहण
4. (c) उत्तरप्रदेश
5. (a) अपमान

(ब) उचित संबंध जोड़िए – (अंक–10)

सही उत्तर–

1. आत्मकथा	(v)
2. सूर्य	(i)
3. अनुप्रास	(iv)
4. रति	(ii)
5. शिक्षा	(iii)

उत्तर 2 – परसराम ह अपन नाम असन तेज रहिस, ओ हर झगराहा रहिस, बात–बात म गुसियाना, अऊ झगरा लड़ई करे बर धरना, ओखर सुभाव म रिहिस, ओ हर अटेलहा मनखे रहिस। (अंक – 4)

उत्तर 3 – नावों को नदी में डुबा देने का आदेश कुँवर सिंह ने दिया था। यह आदेश इसलिए दिया गया था कि यदि नावों को न डुबाया जाता तो फिरंगी जनरल गोलियों से नाव को बेकार कर देता। (अंक – 4)

उत्तर 4 – भू–जल भंडार के कम होए के दू कारण हे– (अंक–4)

1. बरसात के जतका पानी जमीन म रिसथे ओखर ले जादा पानी हम उपयोग करे बर बाहिर निकालत हन।
2. तरिया, अऊ कुआँ मन के पटाए ले घलो पानी के भंडार कम होवत हे।

उत्तर 5 – तृतीय लिंग समुदाय के चार प्रसिद्ध व्यक्ति– (1+1+1+1 = 4 अंक)

सिल्वेस्टर मर्चेन्ट, लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी,

मनेन्द्र सिंह गोयल, फैशन डिजाइनर रोहित,

शबनम मौसी

उत्तर 6 – निम्नांकित शब्दों के दो–दो समानार्थी शब्द –(कोई चार) (1+1+1+1 = 4अंक)

I. पानी – जल, नीर, वारि, अम्बु
II. मित्र – सखा, मीत, दोस्त, यार।
III. पथ – मार्ग, रास्ता, राह, मग।
IV. प्रकाश – उजाला, रोशनी, आलोक।
V. मनुज – मानव, मनुष्य।
VI. अवनि – पृथ्वी, धरा, धरती, भू–तल।

उत्तर 7 – मधुर वचन औषधि की तरह हमारी पीड़ा हरकर हमें शांति देते हैं। कोई कुछ भी न दे तो भी उसके प्रिय वचन हमें सुख देते हैं। कड़वी बात तीर की तरह मन को चुभने वाली होती है। इससे सुनने वाले को बहुत पीड़ा होती है। उक्त पंक्ति का यही आशय है। (अंक – 4)

उत्तर 8 – गद्यांश की व्याख्या – (1+1+4+ = 6 अंक)

संदर्भ – पाठ का नाम – तृतीय लिंग का बोध।

लेखक का नाम – संकलित।

प्रसंग – लेखक के अनुसार समाज के प्रत्येक समुदाय को एक समान जीने और सुख सुविधाओं के उपभोग का अधिकार है।

व्याख्या – समाज में ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए, जहाँ समाज के प्रत्येक व्यक्ति के सम्पूर्ण व्यक्तित्व का विकास हो। तृतीय लिंग समुदाय के व्यक्ति भी हमारे इसी समाज का हिस्सा हैं। अतः ''सर्वे भवन्तु सुखिनः अर्थात् सभी सुखी हों की शुभेच्छा उनके लिए भी है। सहनाववतु सहनौ भुनक्तु अर्थात् साथ रहें, साथ–साथ पोषण करें में उनका भी अधिकार बनता है।

अथवा

संदर्भ – पाठ का नाम – कटुक वचन मत बोल।

लेखक का नाम – श्री रामेश्वर दयाल दुबे।

प्रसंग – मीठी वाणी की महत्ता बताई गई है।

व्याख्या – यदि आप कडुआ बोलते हैं, कानों को अप्रिय लगने वाला बोलते हैं, तो यह आदत त्यागनी पड़ेगी, क्योंकि कड़वा बोलने वाले से हर व्यक्ति दूर रहना चाहता है। लोगों के बीच प्रिय बनना है, तो हमें मीठा बोलना ही होगा। मधुर वचन वाले व्यक्ति को ही पसन्द करते हैं।

उत्तर 9 – पद्यांश की व्याख्या (1+1+4 = 6 अंक)

संदर्भ – पाठ का नाम – मनुज को खोज निकालो।

कवि का नाम – श्री सुमित्रानन्दन पंत।

प्रसंग – मनुष्य को विभेदरहित स्वरूप में खोजे जाने की आवश्यकता पर बल दिया है।

व्याख्या – मनुष्य–मनुष्य से भिन्न नहीं है। हमारे समाज ने उसे जाति, वर्ग संस्कृति आदि के आधार पर अलग–अलग बाँट दिया है। यह अलगाव ही सामाजिक विघटन का कारण बन गया है। मनुष्य को उसी मूल विभेदरहित स्वरूप में खोजे जाने की आवश्यकता हैं। हमें देश, राष्ट्र के अन्तर को पाटकर अपनी नीतियों में समानता भरकर रूढ़ियों को समाप्त करना है।

अथवा

संदर्भ – पाठ का नाम – ब्रज माधुरी

लेखक का नाम – भारतेन्दु हरिश्चंद्र

प्रसंग – श्रीकृष्ण के वियोग का वर्णन है।

व्याख्या – हे सखी हम क्या करें? कहाँ जाए? श्रीकृष्ण के मोहक रूप दर्शन के बिना आँखों को तृप्ति नहीं मिलती। सोते–जागते, उठते–बैठते, चलते–फिरते सभी अवस्थाओं और स्थानों पर श्री कृष्ण का सरस रूप याद आता है। मुख पर श्रीकृष्ण का नाम और आँखों में उनकी छवि हर पल बनी रहती है। बिना मोहन (धनश्याम) के मेरी और कोई गति नहीं है।

उत्तर 10 – अनुच्छेद पूर्ण कीजिए– (1+1+1+1+1+1 = 6)

सही क्रम – 1. चलना

2. फुर्सत

3. साथी

4. प्रतीक्षा

5. भूत

6. सामर्थ्य

उत्तर 11 – पत्र लेखन–

1. संबोधन – 1 अंक
2. मध्यभाग – 4 अंक
3. अंतिम भाग – निवेदक / लेखक / प्रेषक पर (1 अंक)

उत्तर 12 – (3+1+2 = 6)

1. किन्नर समुदाय के लोग भी बड़े–बड़े कार्य कर सकते हैं। महाभारत काल में शिखंडी नामक किन्नर पात्र का उल्लेख मिलता है, जो द्रुपद–पुत्र और द्रौपदी का भाई था। धर्मरक्षा के लिए लड़े गए महाभारत के युद्ध में उसे श्रीकृष्ण ने सेनापति बनाया था।
2. यह गद्यांश महाभारत के पात्र शिखंडी को केन्द्रित कर लिखा गया था।
3. शिखंडी की प्रतिभा को देख श्रीकृष्ण ने उसे महाभारत के युद्ध में सेनापति बनाया था।

उत्तर 13 – पठित गद्यांश (कोई चार का उत्तर लिखना है) (2+2+2+2 = 8)

1. गद्यांश का शीर्षक – वाणी का वरदान। (इसी प्रकार अनुच्छेद से संबंधित अन्य शीर्षक भी छात्र लिख सकते हैं)
2. विलोम शब्द–
   (i) कड़वी – मीठी।
   (ii) वरदान – अभिशाप।
3. वाणी तो सभी को मिली हुई है पर एक समझदार व्यक्ति वाणी का सुन्दर प्रयोग करते हुए सभी का मन जीत लेता है। जबकि दूसरा व्यक्ति कड़वा बोलकर सबकी उपेक्षा और निंदा पाता है, इसीलिए कहा गया है, कि बोलना किसी–किसी को आता है।
4. कड़वी बात ने दुनिया में न जाने कितने झगड़े पैदा किए हैं। विनाशकारी महाभारत का युद्ध, वाणी के गलत प्रयोग यानी कड़वा बोलने का ही परिणाम था।

5. कड़वी और मीठी बात में अन्तर –
    1. कड़वी बात से हमें लोगों की निंदा मिलती है, जबकि मीठी बात से प्रशंसा।
    2. कड़वी बात से व्यक्ति अलोकप्रिय होता है, और मीठी बात से लोकप्रिय।
    (या अन्य कोई)
6. वाणी को वरदान इसलिए कहा गया है कि संसार में लाखों प्राणी हैं किन्तु इन सभी में बोलने की क्षमता केवल मनुष्य को मिली हुई है। वाणी द्वारा बड़े से बड़ा कार्य किया जा सकता है।

उत्तर 14 – अपठित अनुच्छेद – (2+2+2+2 = 8)

सही उत्तर– प्रश्न 1 (ब) अपने जन्म स्थान को।

प्रश्न 2 (स) भक्ति योग।

प्रश्न 3 (ब) प्राणायाम में।

प्रश्न 4 (अ) प्रतिदिन योग अभ्यास करने से।

1. उचित शीर्षक – पुस्तकालय का महत्व। (नोट– इसी तरह अनुच्छेद से संबंधित अन्य शीर्षक भी छात्र लिख सकते हैं।)
2. पुस्तकालय एक ऐसा स्थान होता है जहाँ सभी विषयों की पुस्तकें उपलब्ध होती हैं। इसकी मदद से हम पाठ्यपुस्तकों के अलावा अतिरिक्त पठन सामग्री को पढ़कर अपने ज्ञान का विस्तार कर सकते हैं। इन्ही कारणों से पुस्तकालय का स्थान महत्वपूर्ण है। साहित्य को संरक्षित किया जाता है, और उसकी अभिवृद्धि होती है।
3. पुस्तकालय साहित्य की उन्नति करता हैं। साहित्य को संरक्षित किया जाता है और उसकी अभिवृद्धि होती है।
4. पुस्तकों का संग्रहण पहले सरल बात नहीं थी, क्योंकि जितने धन से आज एक पुस्तकालय तैयार होता है, उतने धन से एक पुस्तक तैयार हो पाती थी।
5. प्राचीन काल में भारत के पुस्तकालय का संसार में अपना कोई सानी नहीं था। चीन और फारस के लोग पुस्तकालय का लाभ लेने भारत आया करते थे।

उत्तर 15 – निबंध लेखन (कोई एक)

1. प्रस्तावना	–	अंक–2
2. विषयवस्तु का विस्तार	–	अंक–6
3. उपसंहार	–	2 अंक